



Mr.



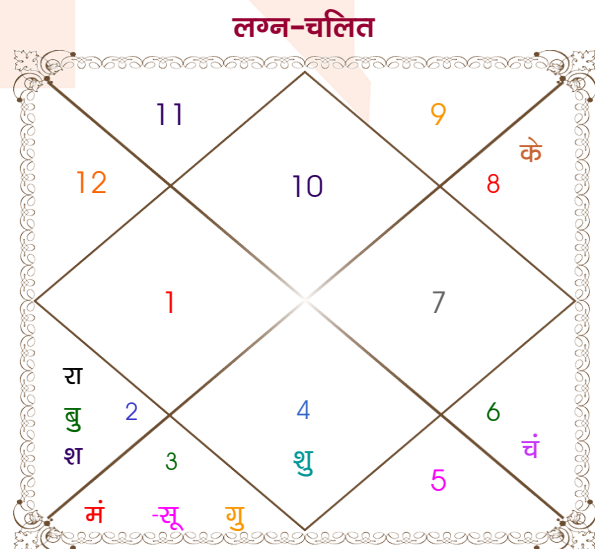
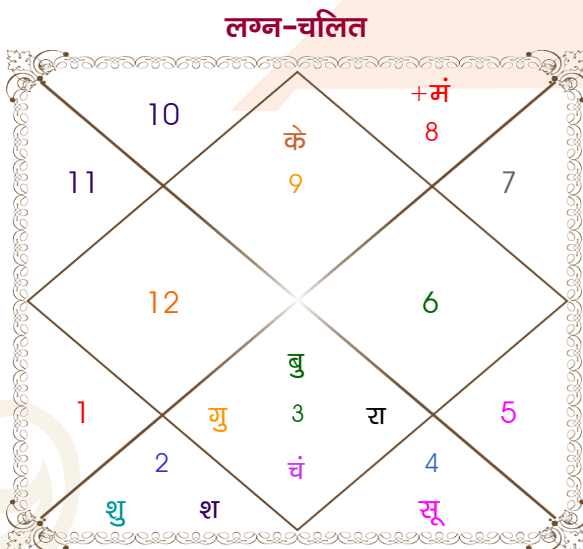
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119898302

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 18/07/2001 : _____ जन्म तिथि _____ 18/06/2002
 बुधवार : _____ दिन _____ मंगलवार _____
 घंटे 17:20:00 : _____ जन्म समय _____ 22:00:00 घंटे
 घंटे 27:53:00 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 39:55:32 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Mumbai : _____ स्थान _____ Dahanu
 18:58:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 19:59:00 उत्तर
 72:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 72:46:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:38:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:38:56 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:10:47 : _____ सूर्योदय _____ 06:00:00
 19:18:40 : _____ सूर्यास्त _____ 19:19:58
 23:52:27 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:53:12

विंशोत्तरी मंगल 3वर्ष 5मा 13दि गुरु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 3मा 25दि राहु
31/12/2022	04:24:16	धनु	लग्न	मक	13:46:44	13/10/2017
31/12/2038	02:02:36	कर्क	सूर्य	मिथु	03:22:24	13/10/2035
	00:05:16	मिथु	चंद्र	कन्या	12:14:31	
	21:14:57	वृश्चि व	मंगल	मिथु	19:59:13	
गुरु 17/02/2025	13:44:04	मिथु	बुध	वृष	11:13:56	राहु 25/06/2020
शनि 01/09/2027	07:20:14	मिथु	गुरु	मिथु	26:22:24	गुरु 18/11/2022
बुध 07/12/2029	20:14:00	वृष	शुक्र	कर्क	10:36:33	शनि 24/09/2025
केतु 13/11/2030	17:01:26	वृष	शनि	वृष	25:45:51	बुध 13/04/2028
शुक्र 14/07/2033	12:26:44	मिथु	राहु	वृष	23:55:38	केतु 01/05/2029
सूर्य 02/05/2034	12:26:44	धनु	केतु	वृश्चि	23:55:38	शुक्र 01/05/2032
चन्द्र 01/09/2035	00:02:51	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	04:51:01	सूर्य 26/03/2033
मंगल 07/08/2036	13:49:48	मक व	नेप व	मक	16:45:29	चन्द्र 24/09/2034
राहु 31/12/2038	19:00:04	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	22:05:01	मंगल 13/10/2035



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

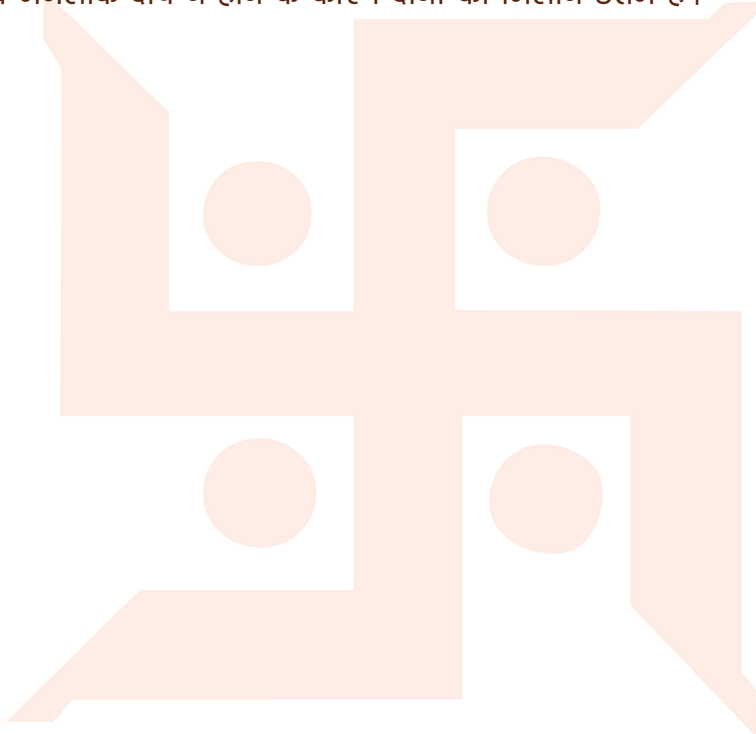
वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

